

## ● पढ़ो और समझो :

### ४. पहचानो तो !

प्रस्तुत संवाद के माध्यम से लेखक ने विद्यार्थियों को कृति एवं बुद्धिमंथन के लिए प्रोत्साहित किया है।

[चित्रकार, अभिनेता, वैज्ञानिक, पत्रकार बगीचे में बैठकर आपस में बातचीत कर रहे हैं। अचानक कुछ शोर-सा सुनाई पड़ता है। सभी उस ओर देखने लगते हैं।]



**अभिनेता** : ये कैसा शोर है ? जरा पता करो कि बात क्या है ?

**पत्रकार** : मैं देखती हूँ कि कौन शोर मचा रहा है।

**वैज्ञानिक** : कहीं भी शांति नहीं है। जहाँ जाओ वहीं शोरगुल, वही भीड़-भाड़।

**पत्रकार** : (लौटकर) सुनो मित्रो, ये तो बड़ी मजेदार घटना है। कुछ अंक अपनी गणित की किताब से निकलकर इस बगीचे में घूमने आए हैं।

**अभिनेता** : हा-हा-हा ! भला ऐसा भी कभी होता है !

**चित्रकार** : होने को क्या नहीं हो सकता ? ये दुनिया बड़ी जादूभरी है।

**वैज्ञानिक** : चलो, जरा देखें तो ये अंक किताबों से बाहर कैसे दिखाई देते हैं !

**पत्रकार** : पर आप लोग इनको पहचान नहीं पाएँगे। ये अंक रूप बदलकर आए हैं।

**अभिनेता** : यानी ये अभिनय कर रहे हैं। वाह-वाह ! चलो चलें ! हम भी आनंद लें इनके अभिनय का।

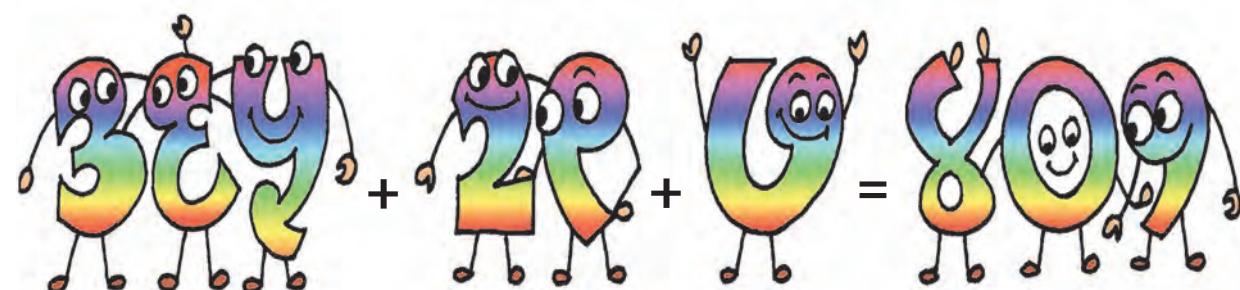
**पत्रकार** : हाँ, ये सब गणित को छोड़कर भाषा के रंग-बिरंगे मुखौटे पहनकर, भेष बदलकर आए हैं।

**चित्रकार** : चलें, सब मिलकर देखते हैं इनका खेल। (वे सब उनके पास पहुँचे तो दंग रह गए। ये अंक आज कितने सुंदर और आकर्षक लग रहे हैं। जोड़ना-घटाना तो उनकी नियति थी। आज तो ये संक्रियाएँ और भी मजेदार हो गई हैं।)

**वैज्ञानिक** : अरे वाह ! आओ बच्चों तुम भी देखो; समझो और करो :

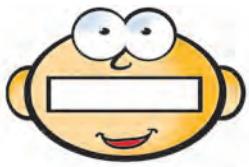
$$\boxed{\text{एक साल के दिन}} + \boxed{\text{लीप वर्ष में फरवरी के दिन}} + \boxed{\text{एक सप्ताह के दिन}} = \boxed{365 + 29 + 7}$$

$$\boxed{\text{तीन सौ पैसठ}} + \boxed{\text{उनतीस}} + \boxed{\text{सात}} = \boxed{\text{चार सौ एक}}$$



□ पाठ का मौन वाचन कराएँ। दिए गए विषय पर प्रश्नोत्तर एवं चर्चा कराएँ। उदाहरण की तरह एक से सात तक के गणितीय प्रश्नों के हल, अक्षरों में लिखवाएँ। विद्यार्थियों से १ से १०० तक की उलटी गिनती अंकों, अक्षरों में लिखवाएँ, एक-दूसरे से जाँच कराएँ।

१. इंद्रधनुष के रंग + चौराहा + एक हाथ की उँगलियाँ =

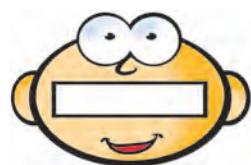


+  +  =

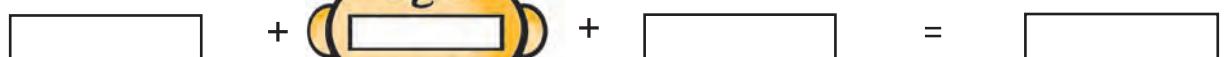
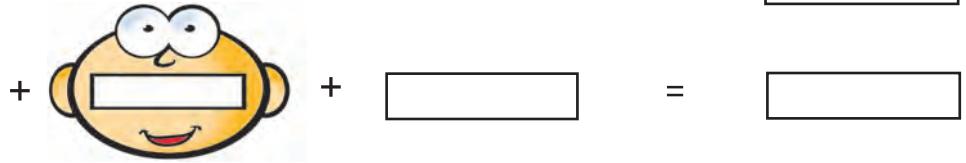
२. घड़ी की सुइयाँ + घड़ी के कुल अंक + दो दिन के घंटे =



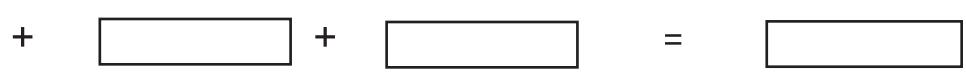
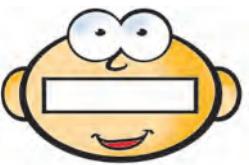
३. शिक्षा दिवस + संविधान दिवस + विज्ञान दिवस =



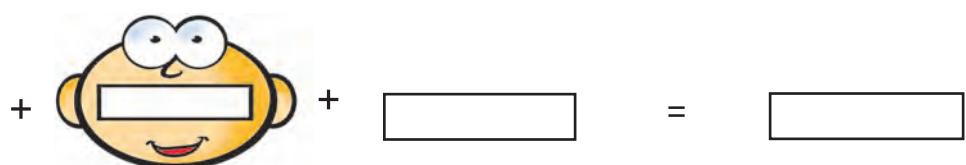
४. क्रिसमस दिवस + योग दिवस + महाराष्ट्र दिवस =



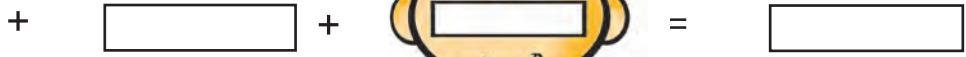
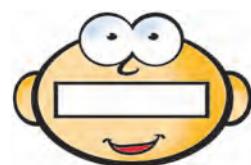
५. एक पखवाड़ा + पंचमी तिथि + साक्षरता दिवस =



६. गांधी जयंती + बाल दिवस + गणतंत्र दिवस =



७. अप्रैल का महीना + अगस्त महीने के कुल दिन + जून के कुल दिन =



पाठ में आए 'विशेष दिवसों' पर चर्चा कराएँ। इनमें से उनकी पसंद के किन्हीं दो 'दिवस विशेष' पर आठ से दस वाक्य लिखवाएँ। इसी प्रकार के खेल उन्हें तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करें। आवश्यकतानुसार गणित, विज्ञान के शिक्षकों की सहायता लें।